गीता जी की आरती

जय गीता माता श्री जय गीता माता।

सुख करनी दुःख हरनी तुमको जग गाता।

टेक- जय गीता माता, मैया जय गीता माता।

सुख करनी दुःख हरनी तुमको जग गाता।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

अज्ञान मोह ममता को छिन में नाश करे,

सत्य ज्ञान का मन में तू प्रकाश करे।

शरण मेरी जो आवे तेरी मति ग्रहण करे,

पाप ताप मिट जावें निर्भय भव सिंधु तरे।

रणक्षेत्र में अर्जुन जब शोकाधीर हुआ,

कर्तव्य कर्म तज बैठा बहुत मलीन हुआ।

तब कृष्णचन्द्र के मुख से तुमने अवतार लिया,

तत्त्व बात समझाकर उसका उद्धार किया।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

शरीर जन्मते मरते आत्मा अविनाशी,

शरीर को दुःख व्यापे आत्मा सुख राशी।

अतः शरीर की ममता मन से त्याग करो,

आत्मब्रह्म को चीन्हों उससे अनुराग करो।

निष्काम कर्म नित्य करके जग का उपकार करो,

फल वांछा को त्यागो सद्व्यवहार करो।

मन को वश में करके इच्छा त्याग करो,

निष्काम जग में रहकर हरि से अनुराग करो।

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

यह उपदेश तेरे जो नर मन में लावे,

भगवान भवसागर से वह क्यों न तर जावे।

हिन्दीपथ.कॉम

अन्य आरतिया पढ़ें

- गणेश जी
- हनुमान जी
- शनि देव
- अम्बे तू है जगदम्बे
- ओम जय जगदीश हरे
- साईं बाबा
- बालाजी
- बाबा रामदेव जी
- रविदास जी
- महावीर भगवान
- शारदा माता
- भैरव आरती
- राधा जी
- पितर
- पार्वती जी
- आरती कुंजबिहारी

हिन्दीपथ.कॉम – HindiPath.com

- जय शिव ओंकारा
- महालक्ष्मी जी
- तुलसी माता
- गंगा मैया
- सूर्य भगवान
- नर्मदा जी
- कृष्ण आरती
- विश्वकर्मा जी
- शीतला माता
- जाहरवीर बाबा
- अन्नपूर्णा माता
- ब्रह्मा जी
- शाकंभरी माता
- प्रेतराज सरकार
- परशुराम जी
- बटुक भैरव
- श्री विंध्येश्वरी
- बाबा गंगाराम जी
- बगलामुखी आरती
- आरती ललिता जी की

हिंदीपथ.कॉम – HindiPath.com

- गुरु गोरखनाथ
- लड्डू गोपाल
- बद्रीनाथ
- सरस्वती माता
- केदारनाथ की
- श्री भागवत भगवान
- रघुवर लला
- गीता जी
- श्री रामायण जी
- गौ माता
- बाबा बालक नाथ की
- गोलू देवता की

हिन्दीपथ.कॉम